(६)

(३०)

अज्ञात त्रैमंगल

25 x 15 1/2

M-105
(a, b, c)

१- राधामंगल
२- नरवरमंगल
३- नागमंगल
(भरतदास कृत)

अन्तिमांश अप्राप्त

पत्र १

१९ वी शदी

CC-0 Shri Krishna Museum. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

श्री गणेशायनमः। अथराधामंगललिख्यते। उमारमापद वंदि विनउसारदसदा॥ धरराधेजीको
ध्यानदतसुषसंपदा॥१॥ छबिनिधिसबगुनषानललीवृषभानकी॥ सकलभुवनमैंनाहिऐसौ
छबिज्ञानकी॥२॥ अमितचंद्रसअधिकललितमुषसोहनो॥ छबिनिधिछबिकोभूपहृदमनमो
हनौं॥३॥ दृगनछिद्रअतिललितदसनछबिअतिलसै॥ अधरमधुरताअरुनसकलछबिकौं
हसै॥४॥ अर्द्धचंद्रसमभालभृकुटिजगमोहनी॥ मोतियनमांगअनूपबेसरअतिसोहनी॥ वय
नीगुहिबनायछुटिउरपररहि॥ बेनीकेबिचललितकुसुमकलियागुही॥६॥ गोरअंगमैंल
सतललितअतिकुंनर॥ बरअंगदछबिदेनललितवनिसुंदरी॥७॥ नाभिपरमगंभीरसुभगररोमा
मावली॥ कंचुकटमैलसतललितमुकतावली॥८॥ नषसिषभूषनअमितमधुरनेपुरवजै॥ सु
रनरमुनिब्रह्मादिचरनकौसबभजै॥९॥ चरनकमलअतिललितमनमैजोपरसेही॥ भक्तहृदयके
माहिअमृतनितिवरसेही॥१०॥ राधामंगलनामभक्तजनसुनिपढै॥ होहिसदाकल्यानसुमप
लअतिवढै॥११॥ मिटतसकलअपराधिपापकोटिनकटै॥ भरतदासधरिध्याननामनितिरि
नरटै॥१२॥ ॥ अथनटवरमंगललिष्यते। गुरूगणपतिपदवंदिचरनचितदीजिये॥ स्यामा
स्यामसरूपनयनभरिलीजिये॥१॥ मोरमुकटवनमालललितकुंडलवनी॥ अलकनरत्नअमोल

CC-0 Shri Krishna Museum. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

१ जटितमर्कतमनी॥२॥मृदुलमनोहरगातपीतपटकछिरहे॥नटवरभेषअनूपदेवलबिछाकिरहे
॥३॥वांकीछविअतिजोरत्रिभंगीलालकी॥सवछविसोछविअधिकवैजंतिमालकी॥४॥
गजमुक्तावरललितनांकपरराजैहीं॥केसरतिलकअनूपभालपरछाजैहीं॥५॥लीलानिधि
नंदलालललीव्रषभानकी॥अतिछविअगमअपारराधिकाश्यामकी॥६॥वरनतवेदपुराण
मुनीगुनगावैहीं॥सेससहस्रमुषरटैंहीपारनहिंपावैहीं॥७॥भरतदासधरिध्यानसुधार
सपीजिये॥तनमनधनसवअर्पहरूश्यामकौंदीजिये॥८॥ॐ॥अथनागमंगललिख्यते॥
पूरणपरमानंदनंदगृहअवतरे॥उनकीलीलागायभक्तजनभवतरे॥१॥रच्योगेंदकोष्या
कामचितमेंधरों॥दियोमहेंटोलगोपालगेंददहमपरो॥२॥प्रभुतवकछनीकाछिपीतपट
वांधिकें॥कूदेजमुनामाहिकदमचढिधायकै॥३॥उरवैजंतिमालमुकुटशिरपरिलसो॥हो
ले तलकुटैवेणुकमरीगाढिकसैं॥४॥गयेवालगोपालग्वालकोघरजहो॥करनप[illegible]गीपव
ननागसोवतनहा॥५॥हरिकोरूपविलोकिनागनीलखिलियो॥जिनसोविछुरेहोश्याम
कठिनतिनकोहियो॥६॥नागनिसोगोपालमधुरवनराहीं॥वालकहरिकोंजानिवानतवतुकों
वहो॥७॥कहेपन्नगीवातलालकहांआइयो॥कहौयेतुमकोंकोनकिन्नभरमाइयो॥८॥वेगि

CC-0 Shri Krishna Museum. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative